Dainik Bhaskar (Indore), 28th August 2024, Page- 05

IIT: 2 साल में 445 को ड्रोन तकनीक से किया ट्रेंड

ड्रोन टेक्नोलॉजी पर वर्कशॉप : आगामी समय में 36 बैच होंगे, जिससे 1000 लोगों को ट्रेंड करेंगे

भास्कर संवाददाता | इंदौर

ड्रोन तकनीक को लेकर छात्रों को ट्रेनिंग देने के लिए सरकार द्वारा चलाए जा रहे हैं 'स्वयान' प्रोजेक्ट के तहत आईआईटी इंदौर ने सितंबर 2022 से लेकर अब तक 12 कैंपस के माध्यम से 445 छात्रों को ड्रोन टेक्नोलॉजी में प्रशिक्षित कर दिया है। आने वाले महीनों में 36 बैच होंगे जिससे 1000 लोगों को प्रशिक्षण देने का टारगेट है।

इस प्रोजेक्ट का आईआईटी इंदौर में नेतृत्व कर रहे हैं डॉ सुमित गौतम, डॉ. उन्मेष खाटी और डॉ. विवेक कान्हांगड। आईआईटी इंदौर के निदेशक प्रोफेसर सुहास जोशी ने अपने इस प्रोजेक्ट को लेकर बताया कि संस्था द्वारा आयोजित यह बूट कैंप खाटी प्रोजेक्ट की

आधारशिला है, जिसमें ड्रोन टेक्नोलॉजी और मानव रहित विमान प्रणाली (अनमैन्ड एयरक्राफ्ट सिस्टम यूएएस) टेक्नोलॉजी में विशेषज्ञ प्राप्त करने के लिए गहन ट्रेनिंग दी जाती है। ये बूट कैंप सैद्धांतिक ज्ञान और व्यावहारिक कौशल दोनों प्रदान करते हैं। इसका उद्देश्य यह है कि प्रतिभागी बाहरी दुनिया में ड्रोन संबंधी किसी भी तरह की परेशानी से निपट सकें।

ड्रोन को कैसे चलाना है और क्या सुरक्षा रखना है, सभी जानकारी दी

इस ट्रेनिंग को लेकर डॉ. सुमित ने बताया कि बूट कैंप में कई विषयों पर बात की जाती है, जैसे ड्रोन को कैसे चलाना है, सुरक्षा के लिए किन मापदंडों का पालन करना अनिवार्य है, सरकार के इस विषय में क्या दिशा-निर्देश हैं। इसके अलावा कैंप में ड्रोन की डिजाइन से लेकर इसके उड़ान से जुड़ा प्रत्येक पहलू, मिशन की प्लानिंग आदि शामिल है। कैंप में कई प्रैक्टिकल सत्र भी आयोजित किए गए। इसमें प्रतिभागियों को उनके थ्योरिटिकल ज्ञान को असल में लागू करने का मौका मिला।